Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to desilt all the dams and reservoirs in the country.

श्रीमती रक्षाताई खाडसे (रावेर): हाल ही में बड़े बांध व जलाशय निर्माण करने हेतु पर्यावरण के नॉर्म्स के परमिशन, किसानों के खेत जमीन तथा अन्य योग्य भूमि अधिग्रहीत करने के लिए बड़ी मात्रा में निधि एवं समय सरकार को देना पड़ता है, जो कि आज के दौर में मुश्किल सा लगता है, इसलिए जो बनाए हुए बांध व जलाशय हैं उनके रख-रखाव व पूर्ण उपयोग हेतु अच्छी देखभाल जरुरी है जिससे इन बांध व जलाशय का निर्माण पूर्ण क्षमता से पानी भंडारण के लिए हो और उसका पूर्ण उपयोग किया जा सकता है । महाराष्ट्र में हाल ही में हुए सर्वेक्षण ये यह रिकॉर्ड हुआ है कि ज्यादातर बड़े बांध व जलाशयों में भारी मात्रा में गाद (सिल्ट) जमा हुई है जिसके चलते ऐसे बड़े बांध व जलाशयों में 50 से 60 प्रतिशत पानी भंडारण की क्षमता कम हुई है और ऐसे बांध में गाद जमा होने की प्रक्रिया लगातार बढ़ती ही जा रही है । उदाहरण के लिए महाराष्ट्र के जलगांव जिले में स्थापित हतनूर बांध का गत वर्ष "मेरी" इंस्टिट्यूट, नासिक ने सर्वेक्षण किया था जिसकी रिपोर्ट वर्तमान में ही महाराष्ट्र सरकार को प्राप्त हुई है जिसमें हैरानी की बात यह है कि पिछले 11 साल में गाद में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है जिससे इस बांध में पानी के बदले 54 प्रतिशत गाद गत वर्ष तक रिकॉर्ड किया गया है । अगर इस गति से यह चलता रहा तो ऐसे बांध में पानी की भंडारण क्षमता घटती जाएगी और आने वाले कुछ वर्षों में इन बांध व जलाशय में पानी नहीं सिर्फ गाद होगा। यह स्थिति देश के सभी बड़े बांध व जलाशयों में नजर आ रही है । मैं माननीय मंत्री जी से अनरोध करती हूँ कि ऐसे सभी बड़े बांध व जलाशय में जमा गाद को निकालने के लिए उचित तरीके/उपाय तथा टेक्नोलॉजिकल समाधान खोजने की जरुरत है और ऐसे सभी बांध जिनमें 50 प्रतिशत से ज्यादा मात्रा में गाद जमा हुआ है इन सभी बांध व जलाशयों की गाद जल्द से जल्द साफ करने की कार्यवाही प्रारंभ करें जिससे देश के सभी निर्मित बांध व जलाशय को करीब-करीब उनकी निर्माण क्षमता में पानी भंडारण की व्यवस्था पुनः उपलब्ध हो और उस भंडारण पानी का आने वाले समय में उचित उपयोग किया जा सके ।